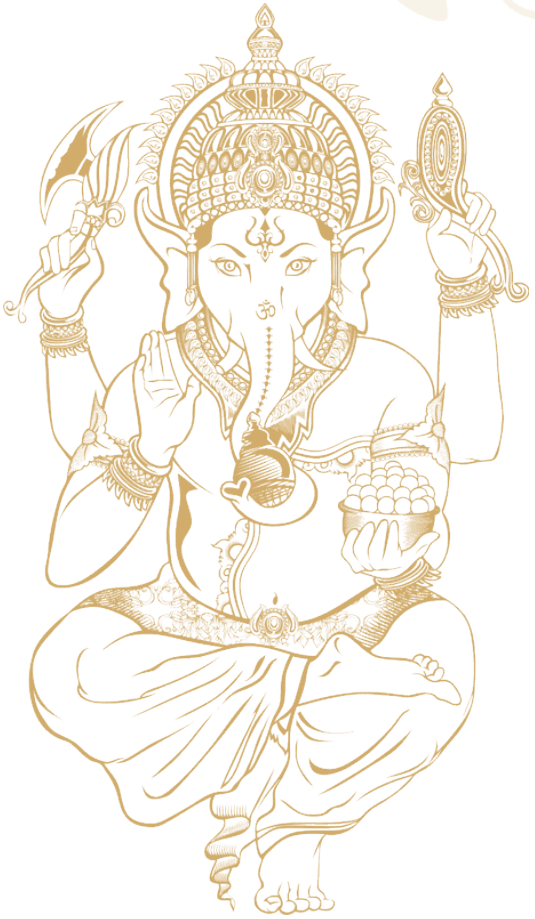

Riya Kumari

15 Dec 1999

04:00 AM

Dadri

Model: web-freekundliweb

Order No: 120518402

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**14-15/12/1999**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	52:20:01 घटी
स्थान	**Dadri**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:33:00 उत्तर
रेखांश	77:33:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:40:12 घंटे
वेलान्तर	00:05:36 घंटे
साम्पातिक काल	09:12:48 घंटे
सूर्योदय	07:03:59 घंटे
सूर्यास्त	17:24:32 घंटे
दिनमान	10:20:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	28:37:58 वृश्चिक
लग्न के अंश	18:08:39 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वज्र
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सी-सीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	18:08:39	308:44:41	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
सूर्य			वृश्चि	28:37:58	01:01:02	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	15:38:59	12:38:51	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल			मक	20:30:02	00:46:25	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	उच्च राशि
बुध			वृश्चि	11:33:45	01:26:19	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		मेष	01:12:49	00:01:12	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			तुला	16:41:46	01:10:56	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मेष	17:09:38	00:02:58	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	नीच राशि
राहु			कर्क	10:35:31	00:01:22	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	शत्रु राशि
केतु			मक	10:35:31	00:01:22	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	20:08:57	00:02:28	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	---
नेप			मक	08:45:18	00:01:51	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:57:11	00:02:18	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			कर्क	21:53:01	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:09

लग्न-चलित

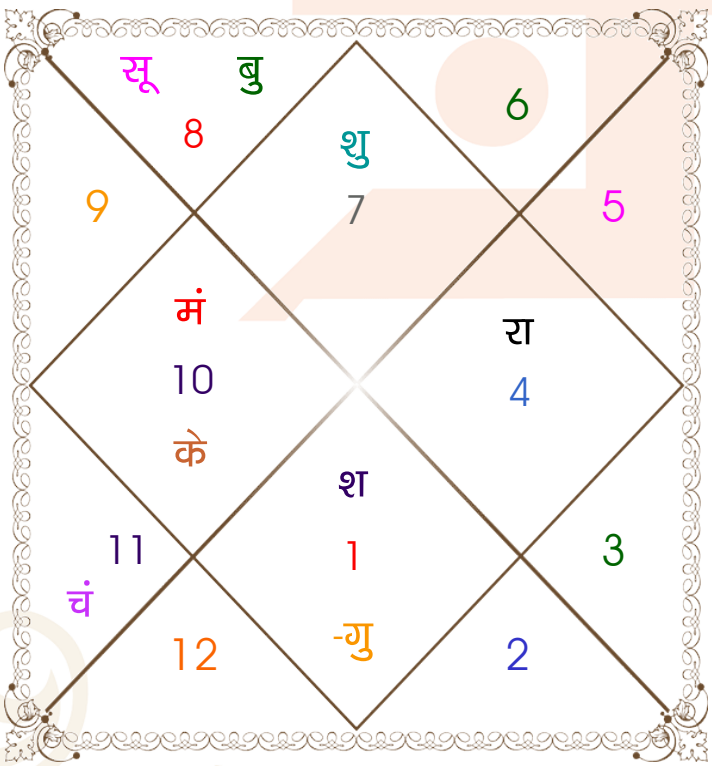

चन्द्र कुंडली

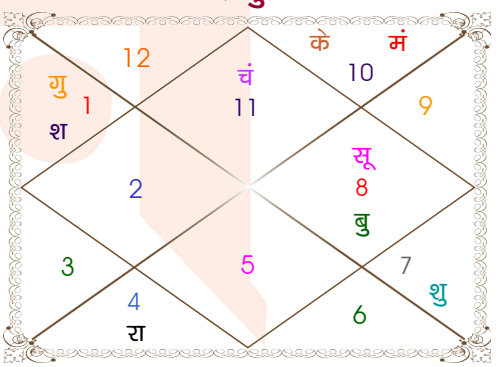

नवमांश कुंडली

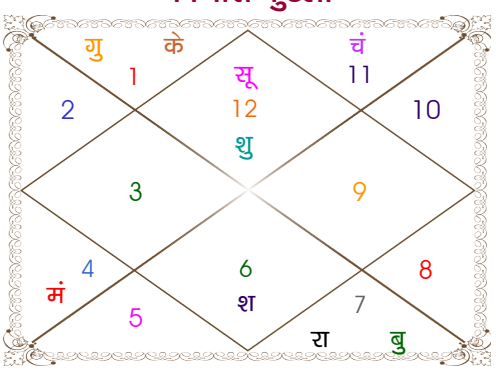

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 5 वर्ष 10 मास 14 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
15/12/1999		29/10/2005		29/10/2021		28/10/2040		29/10/2057	
29/10/2005		29/10/2021		28/10/2040		29/10/2057		28/10/2064	
	00/00/0000	गुरु	17/12/2007	शनि	31/10/2024	बुध	27/03/2043	केतु	27/03/2058
	00/00/0000	शनि	29/06/2010	बुध	12/07/2027	केतु	23/03/2044	शुक्र	27/05/2059
	00/00/0000	बुध	04/10/2012	केतु	19/08/2028	शुक्र	22/01/2047	सूर्य	02/10/2059
	00/00/0000	केतु	10/09/2013	शुक्र	20/10/2031	सूर्य	29/11/2047	चंद्र	02/05/2060
	15/12/1999	शुक्र	11/05/2016	सूर्य	01/10/2032	चंद्र	29/04/2049	मंगल	28/09/2060
शुक्र	18/05/2002	सूर्य	27/02/2017	चंद्र	02/05/2034	मंगल	26/04/2050	राहु	17/10/2061
सूर्य	11/04/2003	चंद्र	29/06/2018	मंगल	11/06/2035	राहु	13/11/2052	गुरु	22/09/2062
चंद्र	10/10/2004	मंगल	05/06/2019	राहु	17/04/2038	गुरु	19/02/2055	शनि	01/11/2063
मंगल	29/10/2005	राहु	29/10/2021	गुरु	28/10/2040	शनि	29/10/2057	बुध	28/10/2064

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
28/10/2064		28/10/2084		29/10/2090		29/10/2100		30/10/2107	
28/10/2084		29/10/2090		29/10/2100		30/10/2107		00/00/0000	
शुक्र	28/02/2068	सूर्य	15/02/2085	चंद्र	29/08/2091	मंगल	28/03/2101	राहु	12/07/2110
सूर्य	27/02/2069	चंद्र	17/08/2085	मंगल	29/03/2092	राहु	15/04/2102	गुरु	05/12/2112
चंद्र	29/10/2070	मंगल	22/12/2085	राहु	28/09/2093	गुरु	22/03/2103	शनि	12/10/2115
मंगल	29/12/2071	राहु	16/11/2086	गुरु	28/01/2095	शनि	30/04/2104	बुध	30/04/2118
राहु	29/12/2074	गुरु	04/09/2087	शनि	29/08/2096	बुध	27/04/2105	केतु	19/05/2119
गुरु	29/08/2077	शनि	16/08/2088	बुध	28/01/2098	केतु	23/09/2105	शुक्र	16/12/2119
शनि	28/10/2080	बुध	23/06/2089	केतु	29/08/2098	शुक्र	23/11/2106		00/00/0000
बुध	29/08/2083	केतु	29/10/2089	शुक्र	30/04/2100	सूर्य	31/03/2107		00/00/0000
केतु	28/10/2084	शुक्र	29/10/2090	सूर्य	29/10/2100	चंद्र	30/10/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 5 वर्ष 9 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाली होंगी। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाली होंगी।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगी तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगी तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगी। आप अपनी फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगी तो अनुकूल रहेंगी। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना की प्राणी होंगी। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगी। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगी। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान की माता होंगी। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपको अपने जीवन संगी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पति प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि के जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपके पति कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय के हुए तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगे।

परंतु यदि आपके साथी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपने पति से विद्वेष नहीं करेंगी।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपके पति बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देंगे। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगी। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगी।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगी। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकती हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके

अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।